the centenary celebration of Dr. B. R. Ambedkar. In a similar way, I want this Government to make it a holiday because it is the hundredth year's celebration. I should tell you that the Government should know that the celebration of 'May Day' is not associated with any particular category of trade union. It is not done by the Left or by the Right. It is done by the workers all over the world because it is the international day of solidarity. Therefore, the Government will not find itself in political embarrassment nor the Government will land itself in political partisanship if it takes a decision for making 1st of May 1990 a holiday on the occasion of its centenary. On the other hand, if the Government does not declare it a holiday, it will be looked upon as an act of suspicion by everybody including likeminded friends as we are today of the Government. We believe the Government should declare it a holiday because that will be an act of building rapport with the Indian working class which is fighting against the atrocities of the big business. Therefore, I wish you do it and do it today because tomorrow is the celebration of the centenary of 'May Day'.

SHRI N. K. P. SALVE (Maharashtra): Madam, countries all over the world, observe 1st May as a holiday since it is considered international day of solidarity. If ever in India it is today, it is necessary for us to pledge ourselves to the causes behind this solidarity and I find myself exceedingly delighted to be associating myself with Mr. Gopalsamy and Mr. Gurudas Das Gupta and I fully support this and implore this Government to bow down to the wishes of the House, bow down to the wishes of the people of this country and declare 1st May, 1990 as a public holiday.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Leader of the House is reacting.

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI M. S. GURUPADASWAMY): Madam Deputy Chairman, we are aware that May 1st is a very important day for every country and especially for the working classes. Hon'ble Members have naturally expressed their views and made a demand that tomorrow should be declared a National Holiday. I respect the sentiments of this House. I think the entire House is for declaring 1st of May as a holiday. This will be considered very positively and the House will be told about it as early as possible.

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra): I would request that wages to the workers should be given for this holiday.

Incident of setting a harijan on firse by hire caste people at Fatehpur in Uttar Pradesh

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया (बिहार) : उपसभापति महोदया, मैं पहले आपको धन्यवाद देना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री राजा विश्वनाथ प्रताप सिंह के निर्वाचन क्षेत्र फतेहपुर के गरीब और प्रताड़ित हरिजनों की आवाज इस बहरी सरकार को सुनाने की आपने अनुमति दी है । महोदया, मैं बहरी सरकार इसलिए कह रहा हूं कि इसके पहले 5 अप्रैल को जो घटना राजा विश्वनाथ प्रताप सिंह की ठाकुर डोमिनेटेड कांस्टीट्यूंसी में हरिजनों के साथ घटी है उसका प्रचार सारे भारत के अखबारों में हुआ परन्तु इस सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी । इतना ही नहीं उस फतेहपुर निर्वाचन क्षेत्र के तीन नौजवान उठा कर के आए और उन्होंने लोक सभा की दर्शक दीर्घा से उन गरीब हरिजनों की आवाज उठाने की कोशिश की और गिरफ्तारियां दीं । उसके बावजूद आज तक वहां पर कोई भी केन्द्रीय सरकार का मंत्री या पदाधिकारी या राज्य सरकार का कोई मंत्री जहां इनकी पार्टी की सरकार है, किसी ने उस गांव को विजिट नहीं किया, न उनको कनसोल करने के लिए कोई गया **(व्यवधान)** महोदया, शर्म उस वक्त आती है जब आज के जमाने में भी यहां सेंट्रल हाल मे खड़े हो कर राजा विश्वनाथ प्रताप सिंह कहते हैं बाबा साहब अम्बेडकर **(व्यवधान)** राजा तो हैं ही क्योंकि सामंतवाद वापिस ला रहे हैं, मैं इसलिए उनको राजा बोलता हूं। वह प्रजा के राजा नहीं

वह सामंतवादी राजा हैं । इस सेंट्रल हाल में जिस दिन बाबा साहब अम्बेदकर के फोटो का अनावरण करना था उस दिन बड़ी लच्छेदार भाषा में कहा गया कि गरीब की आंख का आंसू कुछ दिन तक पानी रहता है और उसके बाद तेजाब हो जाता है । महोदया, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि वह हरिजन विधवा जिसका नाम पुछी देवी है उसकी आंखों में तेजाब बह रहा है और उस तेजाब को ले कर आए हैं और इनका चेहरा विकृत कर डालेंगे । आज कथनी और करनी में फर्क कितना है, इसको जानने की आवश्यकता है । मैं उन सातों गांवों के हरिजनों की आवाज आपके माध्यम से पूरे देश को सुनाना चाहता हूं जहां पर इनके रिश्तेदारों ने इनकी पार्टी के सदस्यों ने जहां पर इन्होंने अपना निर्वाचन पार्टी आफिस खोला था उन लोगों ने हरिजन महिलाओं और लोगों पर किस तरह अत्याचार किया है । इन सातों गांवों में हमारी कांग्रेस पार्टी का कैंडीडेट घुस नहीं सका था क्योंकि यह उनका दुर्ग है। इस दुर्ग में धनराज नाम का एक हरिजन जो बेचारा लुधियाना में नौकरी करता था उसके गांव में उस घर में चमारपाड़ा में उसकी बीवी, उसका बूढ़ा बाप, उसका भाई और भाभी और छोटे छोटे उसके भाई के बच्चे रहते थे । यह वहां के ठाकुर गुलाब सिंह और राजू सिंह के यहां नौकरी किया करते थे । उनके खेतों में गेहूं बोना, गेहूं काटना, धान बोना, धान काटने का काम किया करते थे। राजू सिंह जो कि हिस्ट्री शीटर है कुछ दिन पहले ही जेल से छूटा था। उसने एक ब्राह्मण का कत्ल किया था, इसलिए जेल में बन्द था। कुछ दिन पहले छूट कर आया है । यह रोज उस पूंछी देवी को कहा करता था, पूछी देवी क्यों मेहनत करती हो धूप में, क्यों बरसात में भीगती हो, तुम मेरे यहां आ कर ठकुराइन की तरह रहो । मैं तुम्हारे ससुर को दो जोड़ी बैल दे दूंगा और तुम को ठकुराइन वाले कपड़े दिया करूंगा, खाना पीना दिया करूंगा, वह इन्कार करती रही । बेचारी अपने पेट की रक्षा के लिए दो रोटी के लिए मेहनत करती रही उनके खेतों में काम करती रही । क्योंकि यह ठाकुरों का डोमिनेटेड गांव है उसके बाद जब यह हरिजन युवक धनराज अपनी बहन की शादी के सिलसिले में घर वापिस आया तो उसको बुला कर राजू सिंह और गुलाब सिंह उसको ट्यूबवेल पर ले गये उसको शराब पिलाई और उसको यह प्रोपोजल दी कि तुम पंजाब में रहते हो, लुधियाना में काम करते हो, तुम्हारी बीवी अकेली रहती है, खेतों में काम करती है, इसको मेरे पास रख दो, मेरी हवेली में रहे । शर्म आनी चाहिये । सामंतवादियों का यह नया ढर्रा है कि लोगों की बीवी अगर घर में अकेले रहती है तो वह अपने घर में नहीं रहकर वह ठाकुरों की हवेली में रहा करेगी । उस गरीब की जमीर जागा उसने इस बात का विरोध किया और उस ने कहा कि ठाकुर मैं तुम्हें एक्सपोज करूंगा । मैं पंचायत बुलाऊंगा, मैं लोगों को बुलाऊंगा, हरिजनों को चमारों को इकट्ठा करूंगा और तुम्हारे खिलाफ मुजाहिरा करूंगा और बताऊंगा कि तुम क्या चाहते हो । हम लोग जब प्रदेश में काम करने जाते हैं तो हमारी बहू बेटियों की इज्जत लूटते हो, यह कहने पर उसको मारना पीटना शुरू कर दिया, गुलाब सिंह और राजू सिंह ने धनराज को मारना पीटना शुरू कर दिया । किसी तरह वह बचकर भाग निकला और अपने घर वापस आया। उसके पीछे पीछे 10-15 लोग और आये और आकर खींचकर ले गये । लोगों ने पूछा कि क्यों खींचकर ले जा रहे हो तो कहा कि मेरे से 50 रुपये कर्ज लिये थे वह वापस नहीं दे रहा है इसलिए खींचकर ले जा रहे हैं और उसको अपनी चक्की में ले जाकर, बांधकर किलो किलो के बटखरों से उसके पैर तोड़ डाले । महोदया, शर्म तो उस वक्त आती है जब वह टूटे पैरों को लेकर, सीने से बहते खून को लेकर... **(व्यवधान)**

श्री वीरेन्द्र वर्मा (उत्तर प्रदेश) : शर्म काहे को कर रहे हो ?

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : अभी आपको बताता हूं कब का मामला है। आप सो रहे हैं... **(व्यवधान)**

महोदया, वह गरीब हरिजन बहते हुए खून को लेकर भी उनका प्रतिवाद करता

रहा और कहता रहा राजू सिंह मैं तुम्हें सरे बाजार में बेइज्जत करूंगा कि तुमने हरिजनों को किस तरह से बेइज्जत करने की कोशिश की है और सरे आम तुम मेरी बीवी मांगते हो । जब उन्होंने देखा कि यह इस तरह से नहीं मानता तो उस पर करोसिन तेल डालकर जलाने की कोशिश की । गांव के कुछ लोग इकट्ठे हुए और उन्होंने चक्की से बांधे हुए धनराज को छुड़वा दिया और उसको कहा कि तू घर भाग जा और जब वह घर भागने लगा तो इन ठाकुरों ने उस पर माचिस लगा दी और वह जलता हुआ इन्सान गांव की गली-गली में भागता फिरा अपने प्राण बचाने के लिए, ठाकुरों की गलियों में लेकिन एक भी आदमी उसके प्राण बचाने के लिए नहीं आया ।

एक माननीय सदस्य : धिक्कार है इस गवर्नमेंट को ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : मैं जो कुछ बोल रहा हूं वह हर चीज मेरे इस टेप रिकार्डर में बंद है । मैं खुद गया, मेरे साथी कैलाशपति, सत्या बहिन और अमीन अन्सारी जी गये और जाकर गांव के लोगों से मिले, ठाकुरों से भी मिले, हरिजनों से भी मिले और यह यहां बंद करके लाया हूं । मैं कहता हूं कि उसके बाद बेचारा डेढ़ फर्लांग तक दौड़कर गया और जो गांव के बीच मन्दिर है और मन्दिर के साथ जो पोखर है उसने छलांग लगा दी । दुर्भाग्य इस बात का है कि हमारे मुलायम सिंह यादव के अत्याचारों के कारण वहां डाक्टरों की हड़ताल चल रही थी और किसी हास्पिटल में उसको जगह नहीं मिली, उसका इलाज नहीं हो सका और उसने दम तोड़ दिया... **(व्यवधान)**

हरिजन का मामला है और हाऊ मैनी मिनटस ! शर्म आती है । आप डाउन ट्राडन की बात करते हो । सी०पी०आई० (एम) वाले ये बात कर रहे हैं । महोदया, बात वहीं खत्म हो जाती... **(व्यवधान)**

श्री दीपेन घोष (पश्चिमी बंगाल) : आप कहां थे ?

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : मैं गया था ।

महोदया, जब यहां के लोगों को, डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन को पता लगा कि एक कांग्रेस का संसदीय दल इस गांव में पहुंच रहा है तो उस बेचारी की इज्जत लूटने के लिए या उसको विधवा बनाने के लिए वे उसको उपहार क्या देते हैं ? 5 हजार रुपये और 4 बीघा जमीन और 4 बीघा जमीन में 2 बीघा बंजर और 2 बीघा जमीन का पट्टा बीच तालाब में है । जब मिट्टी डालेंगे, भरेंगे तब रोपाई करेंगे । शर्म तब आती है जब इनके भाई राम खिलावन रिपोर्ट लिखाने गये तो थाने के इंचार्ज ने उसको बंद कर दिया कि ठाकुरों के खिलाफ बोलने आया है ।

SHRI N. K. P. SALVE (Maharashtra): Madam, is this a matter which is to be taken so lightly? . . . (*Interruptions*).. It is surprising that a senior person like Mr. Dipen Ghosh is laughing over this matter.. (*Interruptions*) This is a very serious matter.. (*Interruptions*)..

SHRI DIPEN GHOSH: I have not taken it lightly . . . (*Interruptions*) . . . I am not taking it lightly. It was during the regime of your party that the atrocities on the Harijans were on the increase.. (*Interruptions*)..It is not that I am taking it likhtly... (*Interruptions*)..

SHRI N. K. P. SALVE: This is a question of atrocities. What are you and your party doing about it? (*Interruptions*).. This is very unfair and this is not the way to deal with this matter.. (*Interruptions*) ..

SHRI DIPEN GHOSH: Why do you take my name?... (*Interruptions*)...

SHRI N. K. P. SALVE: What is the purpose of your ridiculing this matter? ... (*Interruptions*)... It is not fair to ridicule a matter like this... (*Interruptions*)..

SHRI DIPEN GHOSH: We are not ridiculing. We also want redressal... (*Interruptions*)..

SHRI N. K. P. SALVE: Why are you people trying to ridicule it. This is very unfair... (*Interruptions*)... Your party should support it... (*Interruptions*) ... Your party should not behave like this... (*Interruptions*)..

SHRI DIPEN GHOSH. If you raise this issue properly, I will support... (*Interruptions*)...I will support you.. (*Interruptions*)...If you raise this issue, I will support you, but not to achieve any political mileage ... (*Interruptions*)...

SHRI N. K. P. SALVE: There is no political mileage ... (*Interruptions*) ...

SHRI DIPEN GHOSH: It is our party which has always taken up the cause of the Harijans...(*Interruptions*)...

SHRI N. K. P. SALVE: What is the political mileage in this?...(*Interruptions*)... Madam, I am afraid, he has completely misunderstood the whole thing. Probably he wants a political mileage, but we want a very effective kind of operation against the atrocities on the Harijans...(*Interruptions*)...

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : महोदया, हरिजनों की आवाज उठाने के लिए मुझे प्रोटैक्शन चाहिए। ... (**व्यवधान**)

डा० अबरार अहमद खान (राजस्थान): आंख खोल के देखिए । ... (**व्यवधान**)

SHRI DIPEN GHOSH: You tell your colleague to stop...(*Interruptions*) ... You ask him to stop ... (*Interruptions*) ... He has been speaking ... (*Interruptions*)...

SHRI N. K. P. SALVE: Madam, I am very sorry that the leader of the Marxist Party, on an issue like this, instead of supporting this, is trying to run him down. This is very unfair and it is very unfortunate ...(*Interruptions*)... I think you are only supporting the Government and you have not sold yourselves... (*Interruptions*)... Madam, I think the Communist Party is only supporting this Government and they have not sold themselves to them. On an issue like this, we expect them to support us...(*Interruptions*)...On an issue like this, we only expect them to support him fully. Have you sold yourselves to them? You are only supporting them...(*Interruptions*)...

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश): आपको शर्म आनी चाहिए ।

SHRI A. G. KULKARNI (Maharashtra): Madam, why don't we have a discussion on this?...(*Interruptions*)... Madam, he has raised this matter and it is the Government which is in the dock now. They have killed a Harijan. Let there be a discussion...(*Interruptions*)...There should be a discussion.

SOME HON. MEMBERS: Yes.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : मेरी बात खत्म नहीं हुई । मेरी बात खत्म हो जाने दीजिए, तब वह रीएक्ट करें ।

महोदया, यह प्रधान मंत्री का निर्वाचन क्षेत्र है । यह वहां पहुंचे नहीं और उन्होंने न अपना कोई आदमी उस गांव में भेजा । दुर्भाग्य की बात है कि यह जो आदमी जिसके लड़कों ने इस हरिजन पर अत्याचार किया है, उसी के घर में वी० पी० सिंह का पार्टी आफिस खुला था और अजय सिंह, वी० पी० सिंह का लडका जो वहां केम्पेन करने गया था, उसके घर में दोपहर में आराम किया था और वही खाना खाया था और वहां पर केम्पेन की थी ।

श्री जगेश देसाई : (महाराष्ट्र) इसलिए वह कुछ नहीं करते ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : यह नहीं जाने का हक्क क्या हुआ ? अभी हमारे एक माननीय सदस्य, उत्तर प्रदेश के हैं, वह कह रहे थे कि यह कब की घटना है । मेरी बात शायद उन्हें समझ नहीं आई ।

मैंने उनको बताया कि इस बहरी सरकार को जगाने के लिए भोंपू बजाना पड़ता है और वह हम बजा रहे हैं, क्योंकि दर्शक दीर्घा, लोक सभा में तीन लड़के गिरफ्तार हो गए और उसके बावजूद भी आपने एक भी आदमी वहां नहीं भेजा । (**समय की घंटी**)

महोदया, इस घटना पर कोई भी कार्यवाही नहीं होने का कारण यह हुआ है कि 22 अप्रैल को रामकली मोर्य जो सात महीने की गर्भवती थी, वह पाखाना करने के लिए उसी सातोजोगा गांव में खेत में गई, तो शिवपूजन सिंह के बेटे ने उसको पकड कर उसके साथ में बेइज्जती की और उसका अबॉशन हो गया और वह फतेहपुर अस्पताल में जिंदगी और मौत से लड रही है ।

महोदया, इस हरिजन की आवाज को दबाने के लिए जो हमारे दोस्त, मार्क्सवादी दोस्त भी चिल्ला-चिल्ला कर विरोध कर रहे हैं, मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि यह साम्यवादी किस सामंतवाद का समर्थन कर रहे हैं । अभी कुछ दिन पहले शिवपुरी में होली के दिन हरिजनों को नंगा नचाने की कोशिश की गई और धिक्कार है इस सरकार को कि आज तक कोई डेलीगेशन भेज कर वहां की पंचायत . . . (**व्यवधान**)

SHRI K.G. MAHESWARAPPA (Karnataka): You have no moral right to raise this.

SHRI S.S. AHLUWALIA: You don't know the resolution.

मैडम, यह स्पेशल मेंशन के खिलाफ भाषण दे रहे हैं, मैं इनको बताना चाहता हूं । इस पर लिखा हुआ है :

Notice for mentioning a matter of urgent public importance in the House.

यह क्या पब्लिक इंपार्टेंस नहीं है ? यह ऐसी बात करते हैं ? क्या हरिजनों पर अत्याचार हो, हरिजन जलाए जायें, हरिजनों की बेइज्जती हो, हरिजन मारे जाएँ ? यह पब्लिक इंपार्टेंस की बात नहीं है और क्या उनकी हम यहां पर आवाज नहीं उठा सकते हैं ? उप-सभापति महोदया मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि यह जो सवाल मैंने किए हैं और सिर्फ इतना ही नहीं, उस गांव में आज तक मिनिमम वेजेज एक्ट, मैं मार्क्सवादी बंधु लोगों को बताना चाहता हूं कि वहां पर मिनियम वेजज एक्ट का इम्प्लीमेंटेशन नहीं हुआ है । वहां आज भी *पांच रुपए की हाजिरी दे कर मजदूरों से काम कराते हैं ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Don't go beyond the Special Mention.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया: महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार को गुजारिश करता हूं कि उस निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित सदस्य रहे हैं, श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह आ कर के *यहां बतायें और जवाब दें ।

धन्यवाद ।

SHRI K. G. MAHESWARAPPA: What is your motive behind this Special Mention? (*Interruptions*)

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI M. S. GURUPADASWAMY): Madam Deputy Chairman....

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश): महोदया, यह बहुत ही महत्वपूर्ण मामला है । हम इन्हें सुनना चाहते हैं । यहां से जो चुन करके आयें उन्हें ही बुलाया जाए . . . (**व्यवधान**) और इस संबंध में अपना वक्तव्य देने दिया जाए ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seat. The Leader of the House is reacting to it. Please listen to him.

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Madam, by mere shouting it will not improve the situation. I think the issue is very serious and very important. (*Interruption*) I am not disagreeing with you. I am only saying this is a

*Expunged as ordered by the Chair.

matter which concerns all of us. It is not a matter which concerns only one single party. The whole House is exercised. Whenever there is oppression or atrocity committed on any Harijan family anywhere in India, that is the concern of the entire country. Why should my friend lose his temper and point an accusing finger against the Prime Minister? The whole House is concerned about it. .

SHRI S. S. AHLUWALIA: He is a representative of that constituency; that is why.

श्रीमती सत्या बहिन: सरकार को कोई चिंता नहीं है, बल्कि सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय: संसद् में आए हैं प्रधान मंत्री इसलिए वह आयें और बतायें ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: When the Leader of the House is on his legs, please take your seat. I am not allowing you to speak. यह सीरियस मैटर है। आपके मैम्बर ने उठाया है । उस पर सरकार रिएक्ट कर रही है । लीडर आफ द हाउस बोल रहे हैं । सुनिए तो क्या कह रहे हैं ।

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: I am saying that it is not a matter of a particular party or group. This is a national issue. Wherever a Harijan or a Harijan family is exploited, that should be the concern of the entire country. Why should we accuse each other? I do not understand. It may happen in your village, it may happen in my village or in anybody's village. Such atrocities should be condemned by all of us. And those who are indulging in such atrocities should be punished. There is no doubt on that. But what do you gain by accusing each other here? We are all concerned. We are all one....(*Interruptions*)

SHRI S. S. AHLUWALIA: You are a Member from U.P. (*Interruptions*)

डा० रत्नाकर पाण्डेय: महोदया, क्वैश्चन आवर में मंत्री जी जो जवाब देना चाहते थे, मैं आप के माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि प्रधान मंत्री जी आकर इस सदन में स्पष्टीकरण दें ।

SHRI M. S. GURUPADASWAMY. May I say, Madam, that I do not want to question your concern at all? I am not questioning your concern on this. (*Interruptions*)

SHRI N.K.P. SALVE: I want you to clarify something...

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Will you, please...(*Interruptions*) I am not at all questioning the concern of the House at all. I am not questioning at all...(*Interruptions*)

SHRI A. G. KULKARNI: But a statement was to be made by the Minister. What about that?

श्रीमती सत्या बहिन: यह सब केवल मुंह जुबानी बोलते हैं, **(व्यवधान)** ... एक्सन क्या लेते हैं, यह बताएं ।

SHRI N.K.P. SALVE: I am afraid. Gurupad, you are arguing your case very well but you missed the real point in what he said about the Prime Minister: there is an overt allegation of some sort of political patronage. If it is not there, you can say it is not there. But do not try to circumvent the whole issue like this... (*Interruptions*)

एक माननीय सदस्य: महोदया, यह व्यवस्था का प्रश्न है ... **(व्यवधान)** ... असंवैधानिक है ...अनुसूचित जाति ... **(व्यवधान)** ...

उपसभापति: प्लीज, बैठ जाइए ।

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Madam, I repudiate the insinuation made by my friend, Mr. N.K.P. Salve. On a matter like this, no Minister, no Prime Minister, no leader or no political worker can protect anybody who commits such a heinous crime.

SHRI S. S. AHLUWALIA: You are protecting. Why are you not visiting that village. Why? You are a Member from U. P. Why are you not visiting... (*Interruptions*)

महोदया, यहां तक कि इनमें हिम्मत नहीं है कि उन छात्रों को गिरफ्तार करें। ...(**व्यवधान**)... गिरफ्तार तक नहीं किया है इन्होंने।

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Madam, may I say at the end—I have said enough—think the intention of my friends here opposite is purely political, nothing else. (*Interruptions*)

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : शर्म आनी चाहिए, इन को। शर्म आनी चाहिए। **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute, please.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : ये अपने शब्द वापिस लें। ये अपने शब्द वापिस लें।

उपसभापति : आप जरा एक मिनट बैठिए।

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार): ठाकुरों के बारे में कहकर माननीय सदस्य ने उनका अपमान किया है। आप उन को असामाजिक कह सकते हैं, आप उन को भ्रष्टाचारी कह सकते हैं, आप उनको दोषी ठहरा सकते हैं, लेकिन आप सारे ठाकुर समुदाय को इस तरह से कलंकित नहीं कर सकते। इसलिए, महोदया मैं यह कहना चाहता हूं कि जो भी माननीय सदस्य ने कहा है उस को रिकर्ड में हटाया जाए। यह कभी भी उचित नहीं है।

(व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seat. (*Interruptions*) I cannot understand why everybody is speaking at the same time. Please keep quiet. (*Interruptions*) What do you want him to withdraw? (*Interruptions*) What do you want him to withdraw? What? What did he say? (*Interruptions*) You go back to your seat and then speak. Go back. Go back to your seat. I will not allow anything if you do not go back. I won't allow.

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Madam, may I say ... (*Interruptions*)..

उपसभापति : प्लीज आप अपनी-अपनी जगह पर जाइए। आप अपनी जगह पर बैठिए।

श्री शंकर दयाल सिंह : महोदया, इसको रिकार्ड से निकालना होगा। यह सारे ठाकुर संप्रदाय के लिए ऐसा नहीं कहे सकते हैं। आप किसी दोषी का नाम लीजिए, आप किसी आतताई का नाम लीजिए, आप किसी आतंकवादी का नाम लीजिए, लेकिन आप सारे ठाकुर संप्रदाय के लिए इस तरह की बात नहीं कर सकते हैं। आपको इसको रिकार्ड से निकालना पड़ेगा, महोदया, और यही मेरा अनुरोध है। यह कोई तरीका नहीं है। मैं माननीय सदस्य को अच्छी तरह से जानता हूं। मैं उस संबंध में बातें कह सकता हूं, लेकिन जिस लहजे में आपने कहा है उससे भारत का इतिहास कलंकित हुआ है। आप सारे ठाकुर समुदाय को कलंकित नहीं कर सकते।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : महोदया, जब तक यह अपने शब्द वापस नहीं लेते ... **(व्यवधान)** ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: If you don't allow him to speak, how is he going to do that? Please take your seat.

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: After seeing the reaction of my friends, I now take it that it is not political. May I say that we are discussing the Ministry of Home Affairs very shortly? (*Interruptions*)

SHRI S. S. AHLUWALIA: My Short Duration Notice is there. We want to discuss it. We want a reply from the Prime Minister.

SHRI M. S. GURUPADASWAMY I have not completed my suggestion.

SHRI A.G. KULKARNI: On a point of order. The Prime Minister was to make a statement. Let him make the statement.

SHRI M. M. JACOB (Kerala): Madam, I want to make a submission before Mr. M. S. Gurupadaswamy makes his statement.

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: I am not making any statement now.

(Interruptions)

SHRI M. M. JACOB: Only one minute, please. In the morning the Prime Minister was agreeable to reply at that time. The only procedural wrangle at that time was that the Question Hour need not be suspended because many Members felt that the Question Hour had to be retained. Mr. Ahluwalia has suggested a Short Duration Discussion. Whatever way you allow it, the Prime Minister must come and reply to that. It essentially relates to the constituency of the Prime Minister. So, there is a moral obligation on his part to come and reply.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED): This is an unfortunate incident which has occurred in the Prime Minister's constituency. There are so many incidents like that. There are atrocities on the Harijans, the weaker sections and the minorities. The maintenance of law and order is the responsibility of the State Government. The Central Government has not taken over...

(Interruptions)

SHRI S.S. AHLUWALIA: It is the constituency of the Prime Minister. Don't run away from it.

(Interruptions)

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED): If you don't allow us to speak, what can we do? This is not done. Why are they interrupting us? It is the responsibility of the Chair to maintain order in the House.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute. Please take your seat Mr. Home Minister.

... **(व्यवधान)** ... आप अपनी जगह पर बैठिए । यह सीरियस मैटर है । यह मसला बहुत सीरियस है । एक हरिजन को जलाया गया, कहां जलाया गया, हर जगह, कहीं अगर हरिजन के साथ अत्याचार होता है तो इस हाउस में, इस हाउस मे के अंदर..

हमने उस मसले के ऊपर डिस्कशन किया है क्योंकि कोई भी स्टेट इस भारत सरकार के अंदर है, भारत सरकार से बाहर नहीं है । जैसा कि लीडर आफ दि हाउस ने कहा कि यह सीरियस मैटर है, उसको कंडेम चाहिए । इन लोगों की डिमांड है, अहलूवालिया साहब की डिमांड है कि इस पर आफ एन आवर डिस्कशन हो, यह चैयरमैन साहब के हाथ में है ।

Whatever he has asked for, whether it is Short Duration Discussion or Half-an-hour Discussion or Calling Attention or whatever it is, whichever device the Chairman permits in the House, the House will abide by it. That is my ruling, and that matter is finished now.

(Interruptions)

श्रीमती सत्या बहिन : महोदया, मैं पूछना चाहती हूं कि गृह मंत्री जी बतायें कि शोषित वर्ग की सुरक्षा के मामले मे सरकार चिंतित क्यों नहीं है .. **(व्यवधान)**

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED): You are not permitting me to speak. You must permit me to speak. I say whatever has happened there is condemnable. And we have requested the State Govt. to order an enquiry into the matter and how the

incident has happened. And accusing a community on the whole—some Muslim may do something bad...*(Interruptions)*

SHRI SITARAM KESRI (Bihar): No, no. Nobody can condemn a particular community or any community. अगर उनका मतलब है तो गलत है और आपने मतलब लगाया है तो गलत लगाया है।

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED): That is what Mr. Ahluwalia was saying; Thakur as a community.

(Interruptions)

SHRI P. SHIV SHANKER (Gujarat): Mr. Home Minister, just a minute. Please do not put the words in the mouth of a person. *(Interruptions)* He has never said Thakurs as a community.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: He has said it.

(Interruptions)

SHRI P. SHIV SHANKER: Allow me to speak.

(Interruptions)

THE DEPUTY CHAIRMAN: If Mr. Ahluwalia has mentioned Thakur community, I will look into the record and correct it because it is an individual act. A person might be belonging to a higher caste or a lower caste. That is not the point. But no atrocity on any Harijan should be allowed.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : महोदया, मैंने ठाकुरों का नाम बताया है, नाम बताया है ठाकुरों का **(व्यवधान)**

श्री शंकर दयाल सिंह कल तक तो ठाकुर आपके साथ इकट्ठा थे तब ठीक थे और जब ठाकुर खराब हो गए ? ...**(व्यवधान)**...

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED): You should allow me to speak. *(Interruptions)*

SHRI P. SHIV SHANKER: You will have a chance to speak. Madam, I have been making a request...*(Interruptions)* Madam, this morning when the issue was raised, the Prime Minister wanted to answer. He, in fact, rose in his seat. But since a procedural wrangle arose, he could not answer. It is at that time, you may kindly recall, Madam, that I stood up, but the Chairman did not permit me to speak. I wanted that at least after the Question Hour, the Prime Minister may make the statement so that the matter becomes clear. Now the point is that Mr. Ahluwalia has made a Special Mention. I am not prepared to accept that Mr. Ahluwalia has accused the entrie community. *(Interruptions)* Please listen to me. *(Interruptions)* Let me speak out. *(Interruptions)*

श्री शंकर दयाल सिंह : पहले अहलूवालिया साहब कहें इस बात को।..**(व्यवधान)**...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Shiv Shanker, I mentioned that I will look into the record and if anything is said about a community, it will not go on record.

SHRI SHIV SHANKER: Madam, such an accusation if expressed will be reprehensible by all section of this House.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : महोदया, शर्म आनी चाहिए कि हरिजनों की बात पर ठाकुरों ने खड़े होकर ... यह गलत बात है। **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have allowed enough discussion on it, Mr. Ahluwalia has asked for a discussion and you can participate in it. Today we are discussing the working of the Home Ministry. You can speak on it.

The demand for a special discussion is before the Chairman. If he allows, you can speak on it.

श्रीमती सत्या बहिन : महोदया, मैं सिर्फ यह कहना चाहती हूं कि जगह-जगह दलितों की हत्यायें क्यों हो रही हैं। ... (व्यवधान)

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : आप मुझे सरकार कहते हो या नहीं कहते हो। मैंने आपको ठाकुर कहा है ... पचास बार कहूंगा ... अत्याचार करने वाले ठाकुर थे।

श्रीमती सत्या बहिन : महोदया, गृह मंत्री जी ने पिछले सत्र में वायदा करने के बावजूद भी इस सदन को कोई जानकारी नहीं दी है। गुमराह किया है दलितों की हत्याओं के सम्बंध में।

SHRI VISHVJIT P. SINGH (Maharashtra): Madam, may I ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: No. (*Interruptions*). Yes, Mr. Sukkomal Sen.

Smuggling of sophisticated arms by anand Margis

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): Madam Deputy Chairman, I am thankful to you for allowing me this special mention. In this connection, I would refer to the recent activities of Anand Margis in several parts of the country. Madam, the activities of Anand Margis are posing a serious danger to the law and order situation of the country. For the last several years, they have been carrying out dangerous activities in some parts of the country, particularly in Bihar and West Bengal.

Madam, of late, two Anand Margis have been caught red-handed on the Punjab border by the Border Security force while they were smuggling sophisticated arms from Pakistan. According to available reports the two Anand Margis had told the West Bengal police and also confessed to the BSF that they had conspired to kill some leaders of the CPM in West Bengal and Bihar and for that they were smuggling arms from Pakistan.

On interrogation it further transpired that the Margis had formed an organisation called the Volunteer Service and youth were recruited for conspiracy and subversive purposes. Madam, it is reported that one Acharya Mahabir Anand, chief of another Margi outfit, Manav Mukti, had asked the youth to go to Pakistan and smuggle arms. And these two youth had on several earlier occasions crossed the border and smuggled arms from Pakistan. Now, Madam, on interrogation it further appeared that these two Margis, who were initiated in Benaraes, they have been put in Anand Marg headquarters at Purulia. Madam, the IB report further says that one Additional Secretary in the Ministry of Defence, who has since retired, has joined the Anand Margis, and is staying at the Anand Marg headquarters at Purulia and directing the activities of the Anand Margis for conspiratorial activities.

Madam, in West Bengal the Government has already seized a number of sophisticated arms from the Anand Marg headquarters and other dens of Anand Margis. Madam, these Anand Margis are creating violence, resorting to violence and they are also resorting to land grabbing of peasants and other cultivators. The Government of West Bengal is taking action against them. Madam, the point is that not only the Anand Margis who are recruited in India but also a number of foreign nationals, who call themselves Anand Margis, they have entered India and they have joined the local Anand Margis. One woman foreign national she was caught in West Bengal and was found to be travelling without any valid travel documents and she was put in prison. We are already facing danger from subversives in Kashmir, Punjab, Assam and in other parts